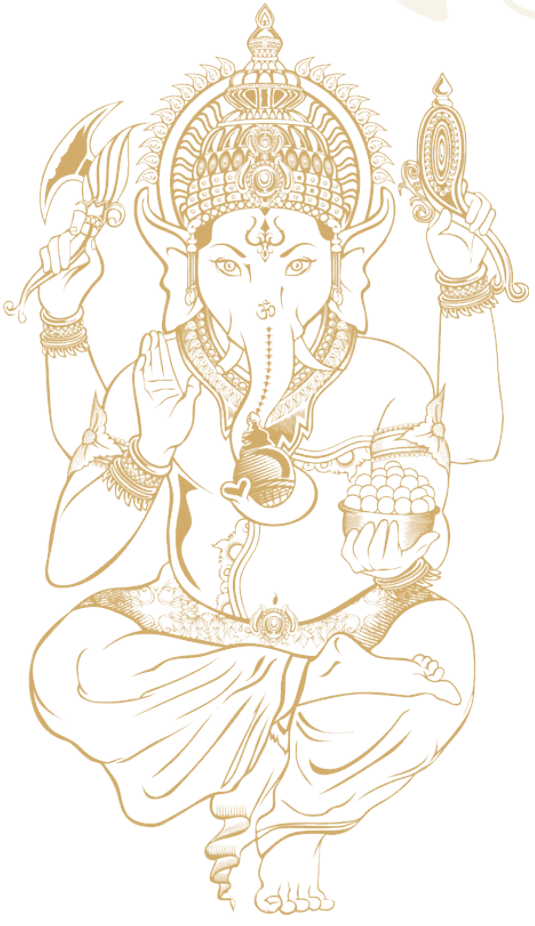

Mr.yayush palesha

Ms.dinki khivsara

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120531103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/02/1998	जन्म तिथि	24/06/2001
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 09:57:00	जन्म समय	18:48:00 घंटे
घटी 07:24:37	जन्म समय(घटी)	31:56:00 घटी
India	देश	India
Kolhapur	स्थान	Kolhapur
16:42:00 उत्तर	अक्षांश	16:42:00 उत्तर
74:19:00 पूर्व	रेखांश	74:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:44	स्थानिक संस्कार	-00:32:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:59:09	सूर्योदय	06:01:36
18:34:48	सूर्यास्त	19:08:37
23:49:47	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:23

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 3मा 7दि		26:06:00	मीन	लग्न	धनु	05:18:15	बुध 11वर्ष 4मा 11दि	
राहु		02:27:01	कुंभ	सूर्य	मिथु	09:12:58	शुक्र	
24/05/2012		13:38:27	कन्या	चंद्र	कर्क	21:05:14	05/11/2019	
24/05/2030		22:31:41	कुंभ	मंगल व	वृश्चि	25:26:16	05/11/2039	
राहु	04/02/2015	26:51:53	मक	बुध व	वृष	27:54:07	शुक्र	06/03/2023
गुरु	30/06/2017	08:43:59	कुंभ	गुरु	मिथु	01:57:03	सूर्य	05/03/2024
शनि	06/05/2020	26:16:37	धनु	शुक्र	मेष	24:15:16	चन्द्र	04/11/2025
बुध	23/11/2022	22:50:48	मीन	शनि	वृष	14:17:59	मंगल	04/01/2027
केतु	11/12/2023	16:41:38	सिंह	राहु	मिथु	12:28:46	राहु	04/01/2030
शुक्र	11/12/2026	16:41:38	कुंभ	केतु	धनु	12:28:46	गुरु	04/09/2032
सूर्य	05/11/2027	15:52:45	मक	हर्ष व	कुंभ	00:42:03	शनि	05/11/2035
चन्द्र	06/05/2029	06:47:37	मक	नेप व	मक	14:24:23	बुध	05/09/2038
मंगल	24/05/2030	14:03:58	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	19:31:17	केतु	05/11/2039

लग्न-चलित

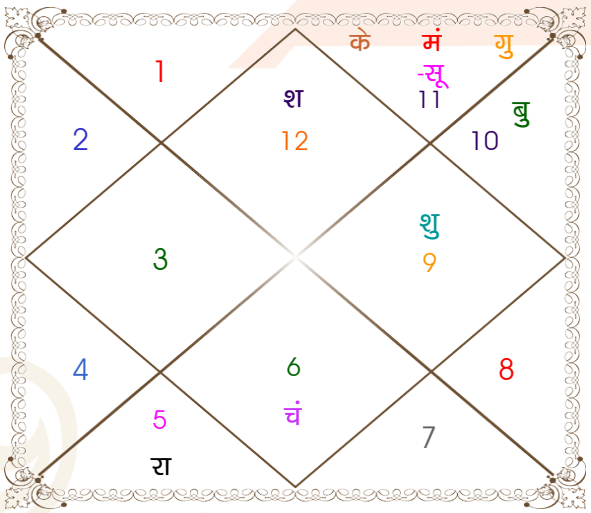

लग्न-चलित

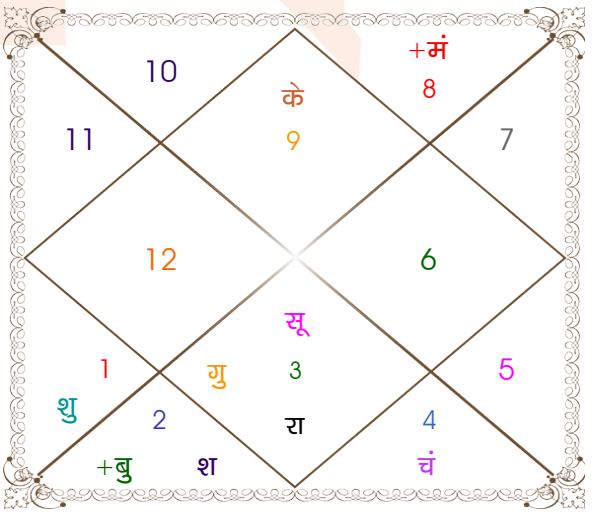

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

Mr.yayush palesha का वर्ग मेष है तथा Ms.dinki khivsara का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yayush palesha और Ms.dinki khivsara का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yayush palesha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr.yayush palesha कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.dinki khivsara मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.dinki khivsara कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.dinki khivsara कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.dinki khivsara कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.yayush palesha कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.yayush palesha तथा Ms.dinki khivsara में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।